कप्तानहीन ऑस्ट्रेलिया की नई चुनौती

एशेज श्रृंखला का पहला टेस्ट आज से पर्थ की पिच पर

पर्थ 20 नवम्बर. ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से पर्थ में शुरू होने वाला पहला एशेज टेस्ट कई कारणों से खास होने वाला है। दोनों ही टीमें चोटों और टीम संयोजन की उलझनों में फंसी हैं, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की स्थिति कुछ अधिक चुनौतीपूर्ण दिख रही है क्योंकि उसे अपने नियमित कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड के बिना ही उतारना पड़ेगा।

यह वही एशेज है जिसने हमेशा दोनों टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा की

- कमिंस-हेजलवुड के बिना उतरेगा ऑस्ट्रेलिया
- इंग्लैंड आर्चर-वुड की रफ़्तार पर करेगा दांव
- पर्थ की उछालभरी पिच पर दिखेगा रोमांच

नई परिभाषाएँ लिखी हैं, और इस बार भी शुरुआती मुकाबला कई नए अध्याय जोड़ने को तैयार है। कप्तान कमिंस की अनुपस्थिति में स्टीव स्मिथ फिर एक बार नेतृत्व की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि टीम दो 31 वर्षीय खिलाड़ियों—जेक वेदरॉल्ड और ब्रेंडन डॉगेट—को टेस्ट डेब्यू का मौका देकर नई दिशा में कदम बढ़ा रही है। वेदरॉल्ड ओपनिंग में उस्मान

ख्वाजा के साथ उतरेंगे। उन्होंने पिछले सीजन की शेफ़ील्ड शील्ड में सर्वाधिक रन बनाकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। वहीं डॉगेट की एंट्री ऐतिहासिक है क्योंकि वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट खेलने वाले तीसरे मूलनिवासी खिलाड़ी बनेंगे, और पहली बार ऐसा होगा जब ऑस्ट्रेलिया की किसी टेस्ट प्लेइंग इलेवन में दो मूलनिवासी खिलाड़ी—डॉगेट और स्कॉट बोलैंड—एक साथ मैदान में उतरेंगे। यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक अहम सामाजिक-ऐतिहासिक क्षण भी है। मार्नस लाबुशेन की वापसी भी टीम की बल्लेबाजी को मजबूती देने वाली है, जबकि बो वेब्स्टर की जगह कैमरन ग्रीन छठे नंबर पर बल्लेबाजी संभालेंगे और अहम भूमिका निभा सकते हैं। दूसरी ओर इंग्लैंड भी अपनी समस्याओं और प्रयोगों से गुजर रहा है। टीम ने 12 सदस्यीय दल की घोषणा की है जिसमें शोएब बशीर के बाहर होने की पूरी संभावना है। इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी को राहत मिली है क्योंकि मार्क वुड को खेलने की अनुमति मिल गई है। यह फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद उनका पहला मैच होगा और पिछले अगस्त के बाद पहला टेस्ट। इंग्लैंड के लिए यह मुकाबला इसलिए भी दिलचस्प है क्योंकि टीम केवल दूसरी बार जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड को एक साथ टेस्ट में खिलाने जा रही है—दोनों की रफ़्तार, उछाल और स्विंग किसी भी बल्लेबाजी क्रम के लिए मुश्किलें बढ़ा सकती है। उपकप्तान पद में भी बदलाव किया गया है और भारत के खिलाफ इंग्लैंड के अंतिम टेस्ट में कप्तानी करने वाले ओली पोप से यह जिम्मेदारी हटाकर हैरी ब्रूक को सौंप दी गई है। पर्थ की पिच इस मुकाबले का सबसे महत्वपूर्ण पहलू साबित हो सकती है। क्यूरेटर आइज़ैक मैकडॉनल्ड का कहना है कि पिच तेज गेंदबाजों को वह गति और उछाल देगी जिसके लिए वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की विकेट लंबे समय से जानी जाती है। हालांकि टेस्ट आगे बढ़ने के साथ-साथ सतह पर दरारें पड़ने की संभावना भी है, जो स्पिनरों और रिवर्स स्विंग करने वाले तेज गेंदबाजों दोनों को मदद दे सकती हैं।

> मौसम पर्थ में अपेक्षाकृत ठंडा है और पूरे मैच के दौरान अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस तक रहने की उम्मीद है। बीच-बीच में हल्की बारिश की संभावना भी जताई गई है, जिससे खेल पर थोड़ा असर पड़ सकता है। पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड के करीब 10,000 प्रशंसक पहले ही पर्थ पहुंच चुके हैं और पूरी सीरीज के दौरान लगभग 40,000 दर्शकों की उपस्थिति का अनुमान है।

पाक के अरशद नदीम का स्वर्णिम जलवा

दूसरे प्रयास में 83.05 मीटर थ्रो
हमवतन यासिर ने जीता रजत

नई दिल्ली 20 नवम्बर. मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम ने रियाद में जारी इस्लामिक सॉलिडैरिटी गेम्स 2025 में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर एक बार फिर अपने दबदबे को साबित किया।

प्रिंस फैसल बिन फहद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में बुधवार को हुए मुकाबले में नदीम ने अपने दूसरे प्रयास में 83.05 मीटर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंकी और सात प्रतियोगियों के बीच अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। पिछले संस्करण में कोन्या में 88.55 मीटर का गेम्स रिकॉर्ड बनाने वाले नदीम ने इस बार भी लय को बरकरार रखते हुए शुरुआत 75.44 मीटर की थ्रो से की और इसके बाद दूसरे प्रयास में निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। तीसरे और चौथे प्रयास में उन्होंने क्रमशः 82.48 मीटर और 77.06 मीटर की कोशिश की, जबकि पांचवां प्रयास फाउल रहा। उनका अभियान 77.98 मीटर की थ्रो पर समाप्त हुआ। पाकिस्तान के ही मुहम्मद यासिर ने 76.04 मीटर की थ्रो के साथ रजत और नाइजीरिया के सैमुअल एडम्स कुरे ने 76.01 मीटर की थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नदीम का यह इस साल की तीन बड़ी स्पर्धाओं में तीसरा स्वर्ण है। उन्होंने 2025 सीजन की शुरुआत कोरिया के गुमी में एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर की थी, जहां उनका इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 86.40 मीटर दर्ज हुआ था।

क्वार्टर फाइनल में सात्विक-चिराग और लक्ष्य

सिडनी, 20 नवंबर. भारत की स्टार पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने गुरुवार को चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

- ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन

पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को ×7 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा। सात्विक-चिराग

की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे।

> इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 1×-21, 21-1× से हराया।

मुशफिकुर और लिटन के शतक

मीरपुर 20 नवंबर मुशफिकुर रहीम (106) और लिटन कुमार दास (128) की शतकीय पारियों के दम पर बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन गुरुवार को पहली पारी में 476 रनों का विशाल स्कोर खड़ा करने के बाद बल्लेबाजी कर रही आयरलैंड के स्टंप के समय तक 98 रन पर पांच विकेट झटकर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बंगलादेश ने कल के 294 पर चार विकेट से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में अपने 100वें टेस्ट में शतक बनाने वाले मुशफिकुर रहीम आउट हुये। उन्होंने 214 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 106 रन बनाये।

एक नजर में

रोनाल्डो ने राष्ट्रपति ट्रंप को कहा- शुक्रिया

वाशिंगटन. पुर्तगाली फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने व्हाइट हाऊस में सऊदी प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के लिए आयोजित स्टेट डिनर मे उन्हें और उनकी मंगेतर जॉर्जिना रोड्रिगेज को बुलाये जाने के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का शुक्रिया अदा किया है। रोनाल्डो ने ट्रंप के साथ अपनी और जॉर्जिना रोड्रिगेज की फोटो सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, 'मिस्टर प्रेसिडेंट, आपके निमंत्रण और आपने और प्रथम महिला ने मुझे और मेरी होने वाली पत्नी जॉर्जिना का गर्मजोशी के साथ स्वागत किया, उसके लिए धन्यवाद। हममें से हर किसी के पास समाज को देने के लिए कुछ ना कुछ है और मैं अपनी ओर से पूरा प्रयास करुंगा। क्योंकि हम नई पीढ़ियों को हिम्मत, जिम्मेदारी और हमेशा रहने वाली शांति से तय भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करते हैं।' इस दौरान ट्रंप ने बताया कि उनका सबसे छोटा बेटा, बैरन, अल नस्र फॉरवर्ड का फैन है। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं कि मेरा बेटा क्रिस्टियानो रोनाल्डो का बहुत बड़ा फैन है. और बैरन को उनसे मिलने का मौका मिला और इस बात से मुझे लगता है कि इससे घर में मेरी इज्जत और बढ़ गई है।'' यह सुनकर सभी लोगों के चेहरे पर मुस्कान आ गई।

केएससीए ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

बेंगलुरु, 20 नवंबर कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) के चुनाव कानूनी पचड़े में पड़ गए हैं, एसोसिएशन ने 30 नवंबर को होने वाले चुनावों को टालने के फैसले को चुनौती देने के लिए कर्नाटक हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह कदम एसोसिएशन के नियमों और पदाधिकारियों के लिए योग्यता के नियमों की व्याख्या को लेकर विवादों के बीच उठाया गया है, जिससे चुनावी प्रक्रिया के संचालन और कानूनी मान्यता पर सवाल उठ रहे हैं। मंगलवार को दायर एक रिट याचिका (नंबर 34890/2025) में, केएससीए ने चुनाव अधिकारी द्वारा जारी 17 नवंबर के उस पत्र को रद्द करने की मांग की है, जिसने चुनाव टाल दिए थे, और कोर्ट से अनुरोध किया है कि वह उन्हें पहले से घोषित चुनाव कैलेंडर के अनुसार आगे बढ़ने का निर्देश दे। जस्टिस सूरज गोविंदराज के सामने लिस्टेड इस मामले की सुनवाई बुधवार को होनी थी, और हाई कोर्ट आज बाद में दलीलें सुनने वाला है।

दीक्षा डागर ने डेफलंपिक्स में जीता गोल्ड

3 राउंड के बाद 11 अंडर पार का स्कोर

टोक्यो, 20 नवंबर. भारत की प्रोफेशनल गोल्फर दीक्षा डागर ने गुरुवार को डेफलंपिक्स के छठे दिन महिलाओं के इंडिविजुअल इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। दीक्षा ने 3 राउंड के बाद 11 अंडर पार का स्कोर किया। 54 होल के आखिर में उनके कुल पार थे- राउंड3: 11 अंडर पार, राउंड2: 11 अंडर पार और राउंड1: 4 अंडर पार।

यह 24 साल की दीक्षा का तीसरा डेफलंपिक्स मेडल है; उन्होंने 2017 में सैमसन तुर्किये में अपने पहले गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था, फिर ब्राजील के कैक्सियास डो सुल में गोल्ड मेडल जीता था। तीन डेफलंपिक्स के अलावा, अर्जुन अवॉर्डी दीक्षा ने टोक्यो ओलंपिक्स 2020 (एबल बॉडी) में भी देश को रिप्रेजेंट किया है। सिल्वर मेडल फ्रांस की मार्गो ब्रेजो को मिला और ब्रॉन्ज़ मेडल कनाडा की एरिका डॉन रिवार्ड ने जीता। डेफलिंपिक्स 15-26 नवंबर तक टोक्यो में खेले जा रहे हैं और इसमें 111 भारतीय खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

महित संधू ने 50 मीटर राइफल प्रोन में जीती चांदी

राइफल शूटर महित संधू ने 50मी प्रोन इवेंट में सिल्वर जीता, टोक्यो में चल रहे 25वें समर डेफलंपिक्स में यह उनका तीसरा मेडल है। महित ने फाइनल तक पहुंचने के लिए क्वालिफिकेशन में वर्ल्ड डेफ रिकॉर्ड भी तोड़ा। उन्होंने फाइनल में 246.1 का स्कोर करके सिल्वर मेडल जीता, जबकि चेकिया की एलिस्का स्वोबोडोवा ने 247.2 के स्कोर के साथ गोल्ड जीता। हंगरी की मीरा ज़ुज़ाना बियातोव्स्की ने 225.0 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। फाइनल में दूसरी भारतीय शूटर, नताशा जोशी शूट-ऑफ के बाद आठवें स्थान पर रहीं। फाइनल में, महित 14 शॉट पूरे करने के बाद चौथे स्थान पर थीं। अगले दो शॉट्स की सीरीज के बाद वह ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रहीं.

फीफा रैंकिंग में स्पेन शीर्ष पर

जिनेवा 20 नवम्बर. फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसो. (फीफा) की ओर जारी की ताजा विश्व रैंकिंग में स्पेन 1877.18 अंक के साथ शीर्ष पर बना हुआ है।ताजा रैंकिंग के अनुसार इस दौरान कुल 149 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए, जिसमें 74 मैत्री मैच शामिल हैं। रैंकिंग में अर्जेंटीना 1873.33 अंक के साथ दूसरे , फ्रांस 1870 अंक के साथ तीसरे और इंग्लैंड 1834.12 अंक के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है। ब्राजील 1760.46 अंक के साथ दो पायदान चढ़कर पांचवें स्थान पर आ गया, जबकि पुर्तगाल 1760.38 अंक छठे स्थान पर आ गये।

अंतर्राष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में फेडरर

लंदन, 20 नवंबर स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है।

रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा।

237 हफ्तों तक विश्व नंबर वन का है रिकॉर्ड

फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। वह पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। अपने पूरे करियर में, मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी।

15 मुक्केबाज स्वर्ण पदक के लिए पेश करेंगे दावा

ग्रेटर नोएडा, 20 नवंबर विश्व चैंपियन जैसमिन लम्बोरिया (57 किग्रा) और दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ज़रीन (51 किग्रा) ने बुधवार को यहाँ जारी विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025 में भारत के अब तक के सबसे दमदार दिन का नेतृत्व किया।

- विश्व बॉक्सिंग कप फाइनल्स 2025

दोनों सितारों ने प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक मुकाबलों में जगह बनाई, जबकि मेज़बान भारत ने गुरुवार को होने वाले खिताबी मुकाबलों के लिए रिकॉर्ड 15 फाइनलिस्ट तैयार कर दिए। यह उपलब्धि इस प्रतिष्ठित 'टॉप-8' प्रतियोगिता में किसी भी देश द्वारा हासिल सबसे बड़ा आंकड़ा है। टूर्नामेंट का आयोजन शहीद विजय सिंह पाठक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में किया जा रहा है। जैसमिन ने कज़ाखस्तान की पूर्व एशियन यूथ चैंपियन उल्ज़ान सरसेनबेक पर 5-0 की एकतरफ़ा जीत दर्ज करने के दौरान बेहतरीन लय, मजबूत डिफेंस और धारदार संयोजन दिखाए। इस शानदार जीत के साथ विश्व चैंपियन जैसमिन अब फाइनल में पेरिस ओलंपिक पदक विजेता वू शिह यी से भिड़ेंगी, जो टूर्नामेंट की सबसे बहुप्रतीक्षित भिड़ंतों में से एक मानी जा रही है।

> उधर, निकहत ने अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए उज्बेकिस्तान के खिलाफ भारत को सत्र 7 में 'ट्रिपल जीत' दिलाई। निकहत ने गनीएवा गुलसेवर के खिलाफ नियंत्रित लेकिन आक्रामक मुक्केबाज़ी दिखाते हुए लगातार अपने तेज़ लेफ्ट हुक जमाए। उनके साथ सचिन सिवाच (60 किग्रा) और हितेश गुलिया (70 किग्रा) ने भी शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज की। सचिन ने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और दूरी बनाकर विपक्षी को मात दी.

दूसरा टेस्ट | गर्दन की चोट से गिल बाहर, साई सुदर्शन या पडिक्कल विकल्प

शुभमन गिल हुए बाहर, ऋषभ पंत को मिली कप्तानी

नई दिल्ली 20 नवम्बर. शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं, क्योंकि वह पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह से उबर नहीं पाए। उप-कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तानी संभालेंगे।

यह निर्णय मेडिकल टीम की सलाह पर लिया गया है, जिनका मानना है कि गिल को अभी मैदान पर उतारना उनके लिए जोखिम भरा हो सकता है, क्योंकि गर्दन में ऐंठन दोबारा उभरने की आशंका बनी हुई है।

गिल का यह बाहर होना न केवल दूसरे टेस्ट पर प्रभाव डालता है, बल्कि 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज में उनके सिलेक्शन पर भी सवाल खड़ा कर चुका है। इस सीरीज के लिए टीम का चयन 23 नवंबर को होने की संभावना है। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन, गिल को तब अस्पताल ले जाया गया था जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदें खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया। अगले दिन बीसीसीआई ने घोषणा की कि वह टेस्ट मैच में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। उनकी अनुपस्थिति में भारत को 124 रन के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर ढेर होना पड़ा, जहां पिच पर अनइवन बाउंस ने बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। यह वही समस्या थी जिसकी वजह से पिछले साल अक्टूबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी वह गर्दन की ऐंठन के कारण एक टेस्ट से बाहर रह चुके थे।

> गुरुवार को ईएसपीएनक्रिकइंफो को यह जानकारी मिली कि गिल दूसरा टेस्ट नहीं खेल पाएंगे, उसी दिन भारत के बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि गिल तेजी से ठीक हो रहे हैं, लेकिन टीम उनके खेलने को लेकर जोखिम नहीं उठाएगी। उन्होंने साफ कहा कि अगर जरा भी संभावना है कि मैच के दौरान ऐंठन लौट सकती है, तो उन्हें एक और टेस्ट के लिए आराम देना ही सही होगा। उनके अनुसार फिजियो और डॉक्टरों की रिपोर्ट के आधार पर ही अंतिम फैसला लिया जाएगा, लेकिन टीम तभी उन्हें खिलाने पर विचार करेगी जब इस बात की पूरी गारंटी हो कि ऐंठन दोबारा नहीं होगी। गिल के बाहर होने के बाद भारत की प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह किसे मौका दिया जाए—यह टीम प्रबंधन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। उपलब्ध विकल्पों में साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी शामिल हैं।